जो वादे हमने किये थे मोहन वो वादे अपने बदल रहे है

जो वादे हमने किये थे मोहन,
वो वादे अपने बदल रहे है,
हम पी के माया का मदिरा मोहन,
मचल रहे है फिसल रहें है।bd।

नौ माह माँ के गर्भ में रहकर,
वचन दिया था भजन करूँगा,
सदा चलेंगे सच्चाई पर हम,
पर झूठे पथ पर हम चल रहे है,
जो वादे हमने किए थे मोहन,
वो वादे अपने बदल रहे है।bd।

पाके वेदों का ज्ञान गुरु से,
प्रकाश फेलाये सारे जग में,
पढ़ी न रामायण और गीता,
अंधेरे पथ पर हम चल रहे है,
जो वादे हमने किए थे मोहन,
वो वादे अपने बदल रहे है।bd।

हमेशा दिनों की दीनता पर,
मुस्कराए ठुकराया उनको,
गुरुर माया का छाया इतना,
पैरो से सबको कुचल रहे है,
जो वादे हमने किए थे मोहन,
वो वादे अपने बदल रहे है।bd।

जब होश आया पटक के सिर को,
पछताए रोये पुकारा तुमको,
'राजेन्द्र' भूलों को याद कर,
अब धीरे धीरे सम्हल रहे है,
जो वादे हमने किए थे मोहन,
वो वादे अपने बदल रहे है।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जो वादे हमने किये थे मोहन,
वो वादे अपने बदल रहे है,
हम पी के माया का मदिरा मोहन,
मचल रहे है फिसल रहें है।bd।

गीतकार / गायक – राजेन्द्र प्रसाद सोनी।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com